ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • डालटनगंज • फाल्गुन कृष्ण पक्ष 14 • विक्रम संवत 2079 • रविवार, 19 फरवरी 2023 • वर्ष-29 • अंक-126 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 1.50

'लॉकअप 2' में कैद होंगे बिग बॉस... पेज 10 पर

झारखंड के 11वें राज्यपाल के रूप में सीपी राधाकृष्णन ने ली शपथ

हाईकोर्ट के कार्यकारी चीफ जस्टिस अपरेश कुमार सिंह ने पद एवं गोपनीयता की दिलाई शपथ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को झारखंड के 11वें राज्यपाल के तौर पर शपथ ली। 11: 40 मिनट पर झारखंड उच्च न्यायालय के कार्यकारी चीफ जस्टिस अपरेश कुमार सिंह ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उन्हें बधाई दी। राजभवन परिसर के बिरसा मंडप में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राधाकृष्णन ने अंग्रेजी में शपथ ली। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य का विकास प्राथमिकता होगी। आधारभूत संरचना पर भी काम होगा। राज्य में सिंचाई व्यवस्था को और दुरुस्त करने की जरूरत है। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, डीजीपी अजय कुमार सिंह, स्पीकर रवींद्र नाथ महतो, मंत्री जोबा मांझी, कोयंबटूर भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष वानती श्रीनिवासन, रांची की मेयर आशा लकड़ा, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, भाजपा के राज्यसभा सांसद संजय सेठ, मंत्री आलमगीर आलम, बादल पत्रलेख समेत हाईकोर्ट के कई जज मौजूद थे। इसके अलावा समारोह में चेन्नई से भी काफी संख्या में लोग शामिल हुए।

झारखंड के नये राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन पूर्व राज्यपाल रमेश बैस की तरह ही लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। वह कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र से दो बार सांसद रह चुके हैं। इनकी गिनती भाजपा के बड़े नेताओं में होती रही है। इन्हें तमिलनाडु में पार्टी का अध्यक्ष भी बनाया गया था। बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी रहे। भाजपा ने उन्हें केरल में पार्टी प्रभारी बनाया था। सीपी राधाकृष्णन साल 2016 से साल 2019 तक अखिल भारतीय केयर बोर्ड के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वह 16 साल की उम्र से आरएसएस और जनसंघ से सीधे जुड़े रहे हैं।

झारखंड के अब तक के राज्यपाल

- प्रभात कुमार - 15 नवम्बर से 3 फरवरी 2002
- वीसी पांडेय - 04 फरवरी से 14 जुलाई 2002 (अतिरिक्त प्रभार)
- एम. रामा जोइस - 15 जुलाई 2002 से 11 जून 2003
- वेद मारवाह - 12 जून 2003 से 9 दिसम्बर 2004
- सैयद शिब्ते रजी - 10 दिसम्बर 2004 से 23 जुलाई 2009
- के. शंकरनारायण - 26 जुलाई 2009 से 21 जनवरी 2010
- एमओएच फारूक - 22 जनवरी 2010 से 3 सितम्बर 2011
- डॉ. सैयद अहमद 4 सितम्बर 2011 से 17 मई 2015
- द्रौपदी मुर्मू - 18 मई 2015 से 13 जुलाई 2021
- रमेश बैस-7 जुलाई 2021 से 12 फरवरी 2023

NEWS इन ब्रीफ

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

रांची। तमाड़ थाना क्षेत्र के टाटा-रांची मुख्यमार्ग एनएच- 33 दुआरसिनी मोड़ के समीप शुक्रवार देर रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान तमाड़ क्षेत्र के बुरुसिगु निवासी लंबोदर महतो और डोमड़ा टोली बाउरपीढ़ी निवासी गोपाल महतो के रुप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

राज्य का बजट प्राक्कलन तैयार

रांची। झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 27 फरवरी से होगा। सत्र के दौरान राज्य सरकार तीन मार्च को वित्तीय वर्ष 2023-24 का बजट पेश करेगी। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए झारखंड का बजट प्राक्कलन तैयार हो गया है। अधिकांश विभागों ने वित्त विभाग की वेबसाइट पर बजट प्राक्कलन को ऑनलाइन अपलोड करना भी प्रारंभ कर दिया है। इस बार भी एक लाख करोड़ से अधिक का बजट प्रारूप होने का अनुमान लगाया जा रहा है। कृषि, ग्रामीण विकास, पथ निर्माण, महिला बाल विकास, खाद्य सुरक्षा पर सर्वाधिक जोर रहेगा।

पाकिस्तान हो चुका है दिवालिया

सियालकोट। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को सुझाव दिया कि अगर महंगी सरकारी जमीन पर बने दो गोल्फ क्लबों को बेच दिया जाए तो पाकिस्तान का एक-चौथाई कर्ज चुकाया जा सकता है। समा टीवी ने बतायाः मंत्री ने स्वीकार किया कि देश पहले ही दिवालिया हो चुका है और देश की समस्याओं का समाधान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास नहीं बल्कि देश के भीतर है। उन्होंने वर्तमान आर्थिक स्थिति के लिए संस्थानों, नौकरशाही और राजनेताओं को भी जिम्मेदार ठहराया। आसिफ ने कहा कि वह 33 साल से संसद में हैं और 32 सालों में देश की राजनीति को बदनाम होते देखा है।

पांकी में नहीं निकली

शिव की बारात

ड्रोन कैमरे से रखी जा रही नजर, पुलिस चौकस

हालात हो रहे हैं सामान्य आज से इंटरनेट सेवा शुरू होने की संभावना

आस्था पर चोट, इलाके में निराशा : विधायक

नवीन मेल संवाददाता। मेदिनीनगर

पांकी में सांप्रदायिक हिंसा के चौथे दिन बीत जाने के बाद भी लोग अब भी घरों में कैद हैं। सड़कों पर सन्नाटा पसरा है और धारा-144 लागू है। इलाके पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिला प्रशासन को उम्मीद है कि जल्द ही जनजीवन पटरी पर आ जायेगी। फिलहाल दुकान, बाजार और स्कूल बंद हैं। प्रशासन माहौल को सामान्य बनाने के लिए लगातार इलाके में फ्लैग मार्च और गश्ती कर रहा है।

इधर, शिवरात्रि के मौके पर पांकी में पहली बार शिव की बारात नहीं निकली। शिवरात्रि को लेकर जिला प्रशासन सख्त रहा। मंदिर में निषेधाज्ञा का पालन करते हुए हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा पूजा-अर्चना की गई। बैठक में लिए गये निर्णय के मुताबिक महाशिवरात्रि को लेकर पांकी में शिव बारात नहीं निकालने पर सहमति का पालन हुआ। उपायुक्त ने महाशिवरात्रि को लेकर लोगों से घरों में ही पूजा करने की अपील की। जिसे शांति समिति के लोग वं मंदिर समिति के पदाधिकारी व अन्य प्रमुख लोगों ने सहमति जतायी और शिवरात्रि में निकलने वाली शिव बारात को स्थगित कर दिया। हिंसक झड़प के बाद स्थिति नियंत्रित करने में जुटे जिला प्रशासन ने दोनों संप्रदाय के प्रबुद्ध लोगों के साथ बैठक की। दोनों समुदाय के द्वारा शांति-व्यवस्था बहाल रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगाये गये धारा-144 का अनुपालन किया जा रहा है। इंटरनेट सेवा रविवार सात बजे के बाद आने की संभावना है। प्रशासन सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है।

आज होगी शांति समिति की बैठक

पलामू डीसी ए दोड्डे ने बताया कि रविवार से इंटरनेट सेवा शुरू हो जाएगी, स्थिति सामान्य है। उन्होंने बताया कि रविवार को सुबह 12 बजे से शांति समिति की बैठक होगी। पांकी में हालत सामान्य है। एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि मामले में उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मामले में अब तक 18 लोग गिरफ्तार हुए हैं। हिंसा के बाद 13 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया था जबकि पांच उपद्रवियों को बाद में गिरफ्तार किया गया है। पूरे इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गयी है। रैप के जवान व महिला पुलिस बल भी अलग-अलग टुकड़ियों में तैनात हैं।

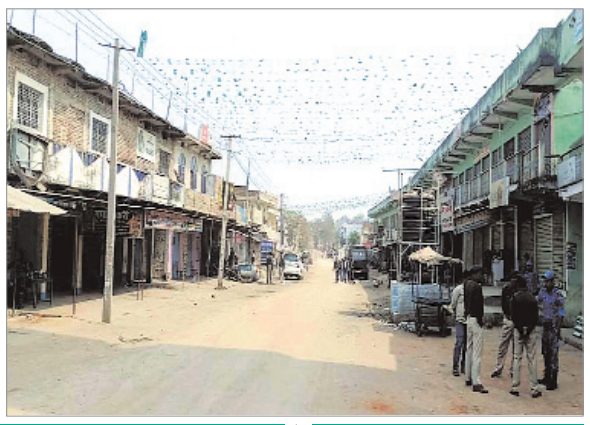

तुष्टिकरण की राजनीति कर रही सरकार : सांसद

चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह शनिवार को पलामू पहुंचे। वहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पांकी की निंदनीय घटना के बाद राज्य सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। ये प्रशासनिक चूक है। उसे छिपाने के लिए लोगों को मंदिर जाने से रोका जा रहा है। विधायक ने कहा कि कई वर्षों के बाद पांकी में शिव बारात नहीं निकली है। आज का दिन हिंदू धर्म माननेवाले और भगवान शंकर में आस्था रखनेवालों के लिए दुखद है। यह आस्था पर चोट पहुंचाने वाला है।

चार दिनों से बंद है इंटरनेट, परेशानी

पांकी की घटना में सुरक्षा के दृष्टिकोण से पिछले चार दिनों से पलामू में इंटरनेट सेवा उपलब्ध नहीं है। उम्मीद की जा रही है कि 19 फरवरी से इंटरनेट सेवा बहाल हो जायेगी। इधर, इंटरनेट सेवा नहीं रहने से बैंकिंग, रेलवे टिकट व अन्य कई जरूरी सेवाओं पर प्रतिकूल असर पड़ा है। नेट बैंकिंग नहीं होने से बाजार की खरीद-बिक्री में भी काफी परेशानी हो रही है। कुछ निजी कंपनी के कर्मचारी बेतला व गढ़वा बॉर्डर पर पेड़ के नीचे अस्थाई कार्यालय बनाकर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने शिवरात्रि की दी शुभकामनाएं, शिव बारात को किया विदा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महाशिवरात्रि के अवसर पर रांची के ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर राज्य और राज्यवासियों की उन्नति, सुख, शांति और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर उन्होंने भव्य शिव बारात को विदा किया और लोगों को इस महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

वर्षों से चली आ रही परंपरा और मजबूत हो : मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी मंदिर में महाशिवरात्रि के दिन भगवान भोलेनाथ के दर्शन और पूजा-अर्चना में शामिल होने के लिए लाखों श्रद्धालुओं का पहुंचना हमारी वर्षों से चली आ रही धार्मिक आस्था का परिचायक है। आनेवाली पीढ़ी भी इस परंपरा को अक्षुण्ण और मजबूती के साथ आगे बढ़ाए, हम बाबा भोलेनाथ से यह कामना करते हैं। इस अवसर पर श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति की ओर से मुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

चेंबर ऑफ कॉमर्स ने बंद वापस लिया

झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद फैसला

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स ने बंद वापस ले लिया है। इस संबंध में बीते चार दिनों से चल रहे आंदोलन को स्थगित करने का शनिवार देर शाम फैसला किया गया। यहां प्रेस कांफ्रेंस कर चेंबर ने कहा कि सीएम आवास पर झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद बंद वापस लेने का फैसला किया गया है। इस बैठक में सीएम के प्रतिनिधि के रूप में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय चौबे शामिल हुए थे। इसके साथ ही इसमें कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, कांग्रेस और जेएमएम के प्रतिनिधिमंडल भी शामिल हुए थे। इस बैठक में सरकार की तरफ से सकारात्मक रास्ता निकालने का भरोसा दिया गया था। सकारात्मक भरोसा मिलने के बाद झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स ने बंद को चौथे दिन वापस ले लिया। गौरतलब है कि इन चार दिनों में करोड़ों का कारोबार प्रभावित हुआ। इसके पूर्व शनिवार के दिन ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

युवती की हत्या कर 50 टुकड़े करने का प्रकरण

मास्टरमाइंड दिल्ली में गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

साहिबगंज में आदिवासी युवती की हत्या के बाद उसके शव के 50 से ज्यादा टुकड़े करने की वारदात के मास्टरमाइंड और मुख्य आरोपी मोइनुल अंसारी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अनुरंजन किस्पोट्टा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस वारदात में 10 लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया गया था, लेकिन मास्टरमाइंड मोइनुल वारदात के बाद से ही फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद अब पूरे मामले का पूरी तरह खुलासा हो जाएगा। पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी कर रही है।

गौरतलब है कि बोरियो थाना क्षेत्र निवासी आदिम पहाड़िया जनजाति की 22 साल की रेबिका की हत्या उससे महज डेढ़ महीने पहले शादी रचानेवाले दिलदार अंसारी और उसके परिवार के लोगों ने कर दी थी। फिर बेहद क्रूरता के साथ उसकी लाश के 50 टुकड़े कर ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

षड्यंत्र भारत के खिलाफ अमेरिकी अरबपति का नापाक मंसूबा

हिंडनबर्ग : 'विदेशी ताकतों' का हाथ

उपेंद्र राय

वामपंथी मीडिया, राजनीतिक आकांक्षा रखने वाले और आंदोलनजीवियों को बड़ा झटका लगा है। हिंडनबर्ग की घटना के पीछे 'विदेशी ताकतों' का हाथ ठीक उसी समय सामने आया है, जब उन्हें यह लगा कि पीएम नरेंद्र मोदी मुश्किलों से घिर रहे हैं। आज की तारीख में जब जॉर्ज सोरोस सत्ता परिवर्तन वाले बुनियादी ढांचे का चेहरा माने जाते हैं, उन्होंने माहौल देखते हुए अपनी महत्वाकांक्षाओं को उजागर किया। ब्लूमबर्ग के अनुसार, सोरोस ने कहा : मोदी इस मामले में चुप हैं, लेकिन उन्हें विदेशी निवेशकों और संसद में पूछे जाने वाले सवालों का जवाब देना होगा। इससे तत्काल संस्थागत सुधारों के लिए दबाव बनाना बहुत आसान हो जाएगा और भारत की संघीय सरकार पर मोदी की पकड़ नाटकीय रूप से कमजोर हो जाएगी।

गौरतलब है कि म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से पहले सोरोस ने कहा : मेरी बातें मूर्खतापूर्ण हो सकती हैं, लेकिन मैं भारत में एक लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की भविष्यवाणी करता हूं। सोरोस का इससे मतलब हिंडनबर्ग के इर्द-गिर्द की कहानी से था।

एक रणनीति के तहत ग्लोबल लेफ्ट-लिबरल गैंग अपने आकाओं के लिए लिखता है विस्तृत लेख

ग्लोबल लेफ्ट-लिबरल गैंग एक रणनीति के तहत अपने आकाओं के लिए विस्तृत लेख लिखता है। ताकतवर देशों और चुनी हुई सरकारों को बदनाम करने का अभियान चलाता है। यही लोग भारतीयों को बताते हैं कि वे जिसे लोकतंत्र मानते हैं वह वास्तविक लोकतंत्र नहीं है, क्योंकि इससे पश्चिमी देशों को फायदा नहीं होता है। इसी गिरोह ने हिंडनबर्ग स्कैंडल को बार-बार उछाला है, इस हैरानी के साथ कि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी तक क्यों नहीं लुढ़की।

वहीं, सोरोस की टिप्पणियों के जवाब में भारतीय जनता पार्टी ने तुरंत पलटवार किया। यह कहते हुए कि सोरोस का बयान 'भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने का इरादा' था, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहाः भारत के खिलाफ युद्ध का माहौल तैयार किया जा रहा है, पीएम मोदी इसके खिलाफ अडिगता से अड़े हुए हैं। सोरोस ने यह भी खुलासा किया कि वह फाइजर के लिए लामबंदी कर रहे थे, लेकिन यह मोदी ही थे जो भारत और एक बेहद ताकतवर अंतरराष्ट्रीय फार्मास्युटिकल दिग्गज के बीच खड़े थे जिस पर वर्तमान में डेटा में हेरफेर करने, सरकारी नीतियों को विकृत करने और इसके संदिग्ध टीकों को बेचने के लिए परिणामों को छुपाने का आरोप है।

जॉर्ज सोरोस कौन हैं?

जॉर्ज सोरोस का जन्म 1930 में हंगरी में एक सम्पन्न यहूदी परिवार में हुआ था। हंगरी में जब यहूदियों के खिलाफ नफरत बढ़ी और नाजियों की हुकूमत आई, तब इनके परिवार ने अपनी पहचान छुपाने के लिए नाम और डॉक्यूमेंट तक बदल दिए। उनके परिवार ने अपनी यहूदी पहचान छुपाने के लिए अपना नाम 'श्वार्ट्ज' से बदलकर 'सोरोस' कर लिया। बर्बादी से बचने के लिए नकली पहचान पत्र भी तैयार कर लिए। बाद में सोरोस ने ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

'धनुष और बाण' चोरी करने वाले 'चोरों' को करेंगे खत्म : उद्धव

चुनाव आयोग को कहा केंद्र का 'गुलाम'

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए भारत के चुनाव आयोग को केंद्र का 'गुलाम' करार दिया और उन 'चोरों' को खत्म करने का संकल्प लिया, जिन्होंने सीएम शिंदे के नेतृत्व वाले समूह को शिवसेना का नाम और उसका चुनाव चिन्ह 'धनुष और तीर' आवंटित किया। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच ठाकरे ने कहाः इन चोरों ने बाला साहेब ठाकरे की पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह चुरा लिया है। यह आज महाशिवरात्रि और कल शिवाजी जयंती की पूर्व संध्या पर किया गया, लेकिन मेरे 'सैनिक' मेरे साथ हैं। जब तक हम इन चोरों को खत्म नहीं कर देते, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।

चुनाव आयोग के फैसले के बाद महाराष्ट्र के सीएम व मंत्रियों ने अपनाया नया नाम-चिन्ह

मुंबई। भारत के चुनाव आयोग द्वारा अलग हुए गुट को मूल 'शिवसेना' नाम और 'धनुष-बाण' चुनाव चिह्न दिए जाने के एक दिन बाद, इसके कई नेताओं ने शनिवार को सोशल मीडिया प्रोफाइल पर नई पहचान अपना ली है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मंत्री शंभूराज देसाई, उदय सामंत, दीपक केसरकर, तानाजी सावंत, अब्दुल सत्तार और कई सांसद और विधायक अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नए नाम-चिन्ह लगा लिए हैं।

केंद्र की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग सहित सभी संस्थान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुलाम बन गए हैं, लेकिन वे बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को कभी 'नष्ट' नहीं कर सकते, हालांकि नाम-चिन्ह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले टूटे समूह को दे दिया गया है। यहां तक कि चुनाव आयोग के आयुक्त भी मोदी के गुलामों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। शायद उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद कुछ अच्छे पदों से पुरस्कृत किया जा सकता है, लेकिन महाराष्ट्र के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि कौन वास्तविक है। मैं इन चोरी करने वालों को चुनौती देता हूं कि वे 'धनुष-बाण' लेकर चुनावी रण में उतरें। हम अपनी 'ज्वलंत मशाल' से सामना करेंगे।